पाठ-१

कैसे पता करें क्या हुआ था और क्या नहीं ?

(इतिहास जानने के स्रोत)

बच्चों क्या आपको अपने परदादा और परदादी का नाम मालूम है ? वे क्या काम करते थे ? वे कैसे रहते थे ? वे कैसे दिखते थे ? इन सबके बारे में आपको कैसे पता चलेगा ?

लिखिए ----------

इसी प्रकार यदि हमें आज से हजारों वर्ष पहले के लोगों के बारे में जानना हो तो ? उनके बारे में जानने के लिए हम इतिहास का अध्ययन करते हैं। इतिहासकार अतीत से प्राप्त तथ्यों और साक्ष्यों के

आधार पर, बीते समय की जानकारी देते हैं। इतिहास, बीते हुए समय और उस समय के लोगों को समझने और जानने का एक साधन है।

अतीत में एक ऐसा भी युग था, जब लोग लिखना नहीं जानते थे। उन लोगों के जीवन के विषय में हमें जानकारी उनके द्वारा छोड़ी गई वस्तुओं जैसे- मिट्टी के बर्तन, खिलौने, हथियारों तथा औजारों द्वारा मिलती है। कभी-कभी इन वस्तुओं को जमीन के अन्दर से खोदकर भी निकालना पड़ता है। ये वस्तुएँ ऐतिहासिक जानकारी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वह समय जिसके लिए कोई भी लिखित सामग्री उपलब्ध नहीं है, पूर्व (प्राक्) ऐतिहासिक काल कहलाता है।

जब मानव ने लिखना शुरू किया उसे कागज का ज्ञान नहीं था। वह लेखों को ताड़पत्रों, भोजपत्रों और ताम्रपत्रों पर लिखता था। कभी-कभी लेख बड़ी शिलाओं, स्तम्भों, पत्थरों की दीवारों, मिट्टी या पत्थर के छोटे-छोटे फलकों (टुकड़ों) पर भी लिखे जाते थे। ताड़पत्र-वृक्ष के चौड़े पत्ते, भोजपत्र-एक प्रकार के वृक्ष की छाल, ताम्रपत्र-ताँबे के टुकड़े होते थे

जिन पर लेख लिखे जाते थे। स्तम्भ लेख पत्थर के खम्भों पर लिखे लेख, शिलालेख-पत्थर की बड़ी चट्टानों पर लिखे लेख होते थे। आधुनिक इतिहास के विषय में हमें लिखित और मुद्रित दस्तावेजों से जानकारी मिलती है जिस काल (समय) के इतिहास के विषय में हमें लिखित और मुद्रित सामग्री से जानकारी मिलती है, एवं उसे पढ़ा भी जा सकता है उसका काल को ऐतिहासिक काल कहते हैं। इतिहास की जानकारी के लिए कई प्रकार के स्रोत (साधन) हैं ।

ऊपर दिये चित्र में बताए गये स्रोतों की सूची बनाओ

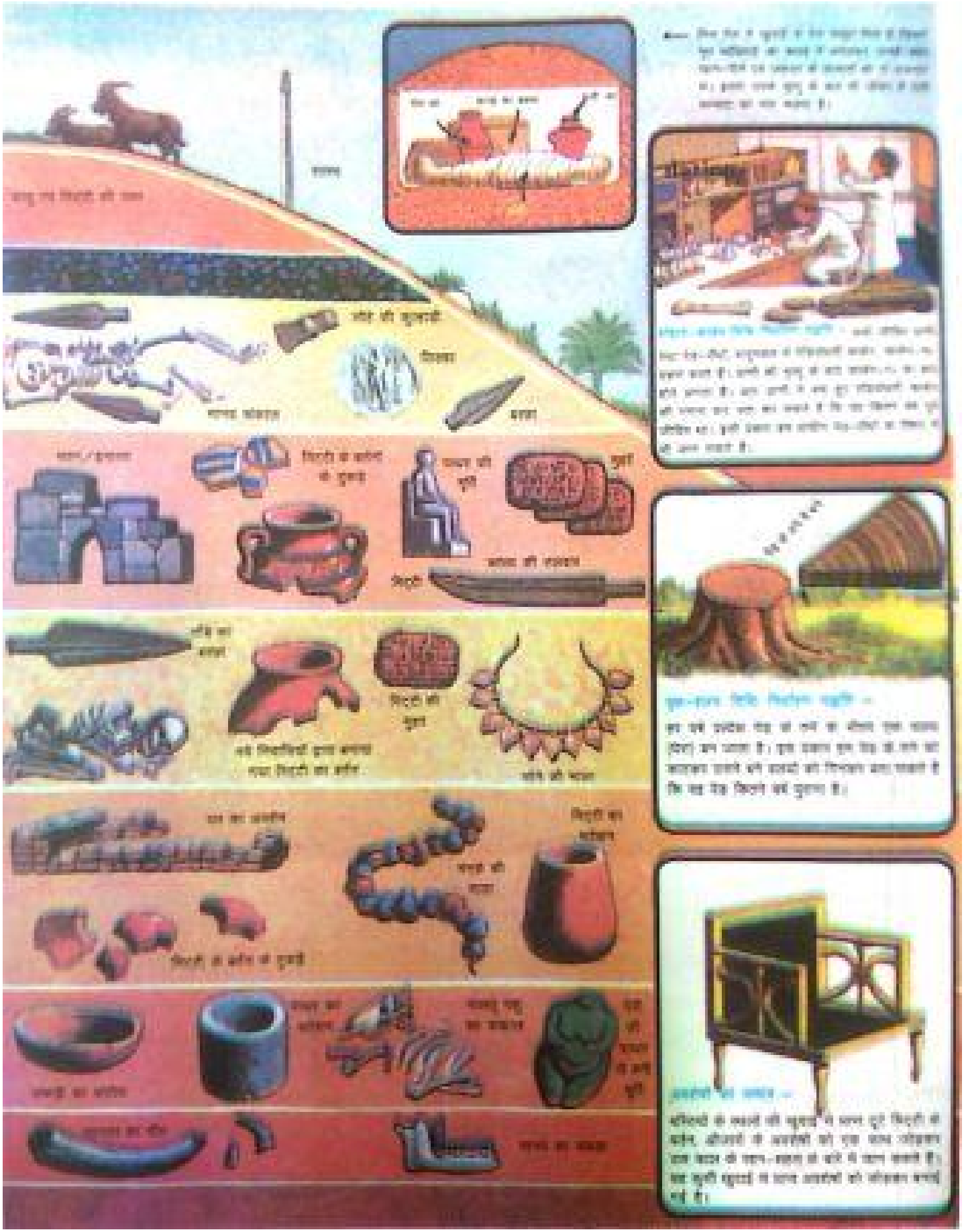

मुद्रा और अभिलेख

मुद्राओं से तत्कालीन शासक का नाम, उसका समय तथा मुद्रा के आकार प्रकार से उस समय की कला तथा धातु से आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होती है। साथ ही सिक्कों के प्राप्ति स्थल से शासक के साम्राज्य विस्तार का भी पता चलता है।

गुप्तशासक कुमारगुप्त प्रथम को इस मुद्रा पर घुड़सवारी करते हुए दिखाया गया है, जिससे हम कह सकते हैं कि वह एक अच्छे घुड़सवार थे। इस प्रकार मुद्राएँ भी इतिहास लेखन में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

इस सिक्के को देखकर आप और क्या पता कर सकते हैं ? बताइए

साहित्यिक श्रोत :

लुम्बिनी अभिलेख (अशोक)

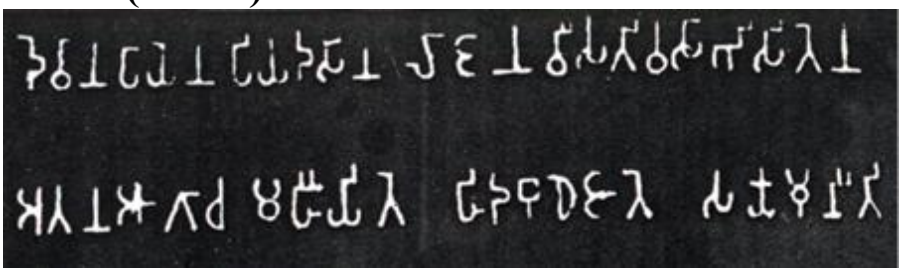

यह अशोक के रुम्मिनदेई अभिलेख का अंश है। जो लुम्बिनी (नेपाल) से प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख में अशोक ने यह घोषणा की है कि लुम्बिनी में उपज का आठवाँ भाग कर के रूप में लिया जाएगा। आइए इसके कुछ अक्षर पहचानें

ब्राह्मी लिपि

देवनागरी लिपि दे अ गा

साहित्यिक श्रोत

ताड़पत्रों, भोजपत्रों, ताम्रपत्रों, चमड़े एवं लकड़ी के पट्टों पर लिखित लेखों के साथ-साथ कुछ साहित्यिक ग्रंथों से भी हमें लोगों के रहन-सहन, विचारों, खान-पान इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। जैसे-

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	काल का विवरण
धार्मिक साहित्य		
१. वेद	–	✤ आर्यों के सम्बन्ध में
२. रामायण एवं महाभारत	वाल्मीकि एवं वेदव्यास	✤ तत्कालीन समाज के विषय में
३. जैन एवं बौद्ध साहित्य, जातक कथा	–	✤ तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति
धर्मेत्तर साहित्य		
४. अर्थशास्त्र	चाणक्य	✤ तत्कालीन समाज की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति
५. राजतरंगिणी	कल्हण	✤ कश्मीर के इतिहास के विषय में
विदेशी यात्रियों के वृत्तांत		
६. इण्डिका	मेगस्थनीज (यूनानी राजदूत)	✤ चन्द्रगुप्त मौर्य कालीन समाज की झलक
७. यात्रा विवरण	फाह्यान (चीनी यात्री)	✤ गुप्त काल से सम्बन्धित
८. यात्रा विवरण	ह्वेनसांग (चीनी यात्री)	✤ हर्ष के शासन काल का विवरण

इस प्रकार पुरातात्विक एवं साहित्यिक दोनों स्रोतों से हमें इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है। विदेशी यात्रियों के विवरणों से भी हमें तत्कालीन इतिहास की जानकारी मिलती है।

इतिहासकार इन्हीं स्रोतों से उस समय की कृषि, पशु-पालन, कामगार/शिल्प, काम-धन्धे, व्यापार, नाप-तौल, लेन-देन, कर आदि के आधार पर आर्थिक, घर-परिवार, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, मनोरंजन, त्यौहार, मेले आदि के आधार पर सामाजिक, राजा, प्रजा, प्रशासन, सुरक्षा व सैन्य व्यवस्था के आधार पर राजनीतिक और कला, आचार-विचार, ज्ञान-विज्ञान की मान्यताएँ, धार्मिक विश्वास, देवी-देवता, पूजा-पाठ एवं परम्पराओं के आधार पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थिति का वर्णन करते हैं ।

और भी जानिए

महाभारत विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य है।

लंदन स्थित ब्रिटिश म्यूजियम विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय है।

शब्दावली

संग्रहालय-ऐतिहासिक वस्तुओं को सुरक्षित रखने का स्थान।

धर्मेत्तर साहित्य-धार्मिक साहित्य से भिन्न साहित्यिक ग्रन्थ।

अभ्यास

1. उत्तर लिखिए-

(क) प्राचीन काल के मानव किस-किस पर अपने अभिलेख लिखते थे और क्यों?

(ख) पाठ में आपने सम्राट अशोक के किस अभिलेख के बारे में जाना?

(ग) इतिहास लेखन में सिक्के एवं अभिलेख किस प्रकार सहायक होते हैं ? लिखिए।

(घ) मेगस्थनीज की पुस्तक का नाम क्या था?

(ङ) इतिहास जानने के पुरातात्विक व साहित्यिक साधनों (स्रोतों) का वर्णन कीजिए।

2. अन्तर स्पष्ट कीजिए-

(क) प्राक् ऐतिहासिक काल

(ख) आद्य ऐतिहासिक काल

(ग) ऐतिहासिक काल

3. निम्नलिखित से आप क्या समझते हैं ?

(अ) पुरातत्ववेत्ता

(ब) इतिहासकार

4. सही कथन पर सही (झ्) का निशान एवं गलत कथन पर गलत (´) का

निशान लगाइए-

(क) प्राक् (पूर्व) इतिहास जानने के लिए हमारे पास लिखित सामग्री है। ( )

(ख) प्राचीन काल के मानव कागज पर लिखते थे। ( )

(ग) सिक्कों एवं अभिलेख से भी ऐतिहासिक जानकारी मिलती है। ( ) (घ) राजतरंगिणी कौटिल्य (चाणक्य) की रचना है। ( )

(ङ) वेद धार्मिक साहित्य है। ( )

(च) फाह्यान मौर्य काल में भारत आया था। . ( )

5. आप सारनाथ स्तूप देखने जा रहे हैं। स्तूप के बारे में आप क्या-क्या जानना चाहेंगे? अपनी जानकारी के लिए कुछ प्रश्न बनाइए।

प्रोजेक्ट वर्क

वर्तमान में प्रचलित सिक्कों के चित्र बनाइए, और उनकी विशेषताएँ भी लिखिए।

अपने शहर/क्षेत्र/गाँव के विषय में अपने बड़ों/स्थानीय संग्रहालयों एवं कार्यालय से निम्नलिखित जानकारी प्राप्त कीजिए-

आपके गाँव अथवा शहर का नाम कैसे पड़ा ?

यहाँ की कौन-कौन सी वस्तुएँ प्रसिद्ध हैं ?

यहाँ के निवासियों का प्रमुख व्यवसाय क्या है ? प्राप्त जानकारी पर एक संक्षिप्त लेख लिखकर सूचना बोर्ड पर लगाएँ।